**I.C.S.E**

**कक्षा : IX**

**हिन्दी**

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 80**

***Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.***
*You will not be allowed to write during the first 15 minutes.*
*This time is to be spent in reading the question paper.*
***The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers***

*This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
*The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].*

**SECTION – A (40 Marks)**
**Attempt all questions**

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. नैतिक शिक्षा मनुष्य के जीवन में बहुत आवश्यक है इस आधार पर 'जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें:
2. देश में बेरोजगारी का बढ़ना एक बहुत बड़ी समस्या है इस आधार पर 'बढ़ती बेरोजगारी' पर अपने विचार प्रकट करें:
3. 'आजादी' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें:
4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो: 'मुँह में राम बगल में छुरी'

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) अपने बस स्टॉप तक विद्यालय की बस सेवा बढ़ाने के लिए प्रधानाचार्यजी को पत्र लिखें।

(ii) अपने मित्र को बड़े भाई की शादी में आमंत्रित करने के लिए पत्र लिखें।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

लाला को काटो तो बदन में खून नहीं। ऐसी चलती हुई गली में ऊँचे तिमंजले से भरे हुए लोटे का गिरना हँसी-खेल नहीं। यह लोटा न जाने किस अनाधिकारी के झोंपड़े पर काशीवास का संदेश लेकर पहुँचेगा। कुछ हुआ भी ऐसा ही। गली

में जोर का हल्ला उठा। लाला झाऊलाल जब तब दौड़कर नीचे उतरे तब तक एक भारी भीड़ उनके आँगन में घुस आई। लाला झाऊलाल ने देखा कि इस भीड़ में प्रधान पात्र एक अंग्रेज है जो नखशिख से भीगा हुआ है और जो अपने एक पैर को हाथ से सहलाता हुआ दूसरे पैर पर नाच रहा है। उसी के पास अपराधी लोटे को भी देखकर लाला झाऊलाल जी ने फ़ौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया। गिरने के पूर्व लोटा एक दुकान के सायबान से टकराया। वहाँ टकराकर उस दुकान पर खड़े उस अंग्रेज को उसने सांगोपांग स्नान कराया और फिर उसी के बूट पर आ गिरा। उस अंग्रेज को जब मालूम हुआ कि लाला झाऊलाल ही उस लोटे के मालिक हैं तब उसने केवल एक काम किया। अपने मुँह को खोलकर खुला छोड़ दिया। लाला झाऊलाल को आज ही यह मालूम हुआ कि अंग्रेजी भाषा में गालियों का ऐसा प्रकांड कोष है। इसी समय पंडित बिलवासी मिश्र भीड़ को चीरते हुए आँगन में आते दिखाई पड़े। उन्होंने आते ही पहला काम यह किया कि उस अंग्रेज को छोड़कर और जितने आदमी आँगन में घुस आए थे, सबको बाहर निकाल दिया। फिर आगँन में कुर्सी रखकर उन्होंने साहब से कहा - “आपके पैर में शायद कुछ चोट आ गई है। अब आप आराम से कुर्सी पर बैठ जाइए। “साहब बिलवासी जी को धन्यवाद देते हुए बैठ गए और लाला झाऊलाल की ओर इशारा करके बोले - “आप इस शख्स को जानते हैं?” बिलकुल नहीं। और मैं ऐसे आदमी को जानना भी नहीं चाहता जो निरीह राह चलतों पर लोटे के वार करे।

1. लाला को काटो तो बदन में खून नहीं से क्या तात्पर्य है?
2. पानी का लोटा किस के ऊपर गिरा था? और उसे कहाँ चोट आई थी?
3. जब अंग्रेज को पता चला कि लोटे के मालिक लाला झाऊलाल हैं, तो अंग्रेज ने क्या किया?
4. लाला झाऊलाल को आज ही क्या मालूम हुआ?
5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: [1]
   - श्री
   - श्रद्धा

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: [1]
   - आँख
   - प्रतीक

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए:[1]
   - अनाधिकारी
   - अपराधी
   - विशेष
   - भूत

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - तेज
   - चालाक

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - काटो तो खून नहीं
   - तिल रखने की जगह न होना

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

   (a) विद्यार्थियों ने अध्यापकों को उपहार दिए। (एकवचन में बदलिए) [1]

   (b) चादर मैला हो गया है। (वाक्य को स्त्रीलिंग में बदलिए) [1]

   (c) नीरव गमले में बीज बो रहा है। (वर्तमान काल में बदलिए) [1]

## SECTION - B (40 Marks)

*Attempt four questions from this section.*

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

## साहित्य सागर

## गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"यह इंसाफ नहीं अँधेर है। सिर्फ़ एक अठन्नी की ही तो बात थी!"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. रसीला का मुकदमा किसके सामने पेश हुआ? [2]
2. रसीला पर किस आरोप पर किसने मुकदमा दायर किया था? [2]
3. रसीला को अपने किस अपराध के लिए कितनी सजा हुई? [3]
4. उपर्युक्त उक्ति का क्या कारण था स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अब क्या किया जाए? इस पर एक मनचले ने कहा - “अगर पेड़ नहीं काटा जा सकता तो इस आदमी को ही काटकर निकाल लिया जाए।”

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. प्रस्तुत अवतरण का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
2. हार्टीकल्चर विभाग ने जामुन के पेड़ काटने से मना क्यों किया? [2]
3. जामुन के पेड़ का मामला हार्टीकल्चर विभाग तक कैसे पहुँचा? [3]
4. उपर्युक्त कथन से हमें लोगों की किस मानसिकता का पता चलता है? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह देख सेठ का दिल भर आया - "बेचारे को कई दिन से खाना नहीं मिला दीखता, तभी तो यह हालत हो गई है।"

पाठ-महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक-यशपाल

1. सेठ जी ने अपना यज्ञ बेचने का निर्णय क्यों लिया? [2]
2. यज्ञ बेचने के लिए सेठ जी कहाँ गए? [2]
3. सेठ जी ने कहाँ विश्राम और भोजन करने की सोची? [3]
4. सेठ जी ने अपना सारा भोजन कुत्ते को क्यों खिला दिया? [3]

## साहित्य सागर

## पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियौ बताय॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥

कविता - साखी

कवि - कबीर

1. कबीर के गुरु के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। [2]
2. कबीर के अनुसार कौन परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है? [2]
3. 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।' - का भावार्थ स्पष्ट

कीजिए। [3]

4. यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुना त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली पग-पग छहर रही है।
वह पुण्य भूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि किस भूमि की बात कर रहा है? [2]
2. कवि ने हिमालय के बारे में क्या कहा है? [2]
3. स्वर्ण-भूमि किसे और क्यों कहा गया है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : मातृभूमि, सिंधु, नित, पुण्य भूमि, आकाश, छटा [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय॥
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन॥
कह गिरिधर कविराय, सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के॥

साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार॥
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले॥
कह गिरिधर कविराय जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ

कवि - गिरिधर कविराय

1. 'गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय ' - पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [2]
2. कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि क्या स्पष्ट करते हैं? [2]
3. संसार में किस प्रकार का व्यवहार प्रचलित है? [3]
4. "करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई" - पंक्ति द्वारा कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है? [3]

## एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

प्रत्येक राजपूत को अपनी ताकत पर नाज है। इतने बड़े दंभ को मेवाड़ अपने प्राणों में आश्रय न दे, इसी में उसका कल्याण है। रह गई बात एक माला में गूँधने कि, सो वह माला तो बनी है। हाँ, उस माला को तोड़ने का श्रीगणेश हो गया है।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. वक्ता और श्रोता कौन हैं? यहाँ किस संदर्भ में यह बात की गई है? [2]
2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए? [2]

3. उस माला को तोड़ने का श्रीगणेश हो गया है-आशय स्पष्ट कीजिए। [3]
4. विजय के लिए सहयोग और संघटन दोनों की आवश्यकता है-दिए गए कथन के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पहले वीरता का दंभ और अंत में करुणा की भीख! कायरों का यही नियम है। परंतु दुर्योधन! कान खोलकर सुन लो। हम तुम्हें दया करके छोड़ेंगे भी नहीं और तुम्हारी भांति अधर्म से हत्या कर बधिक भी न कहलाएँगे। हम तुम्हें कवच और अस्त्र देंगे।

एकांकी - महाभारत की साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे और किस प्रसंग में कहा है? [2]
2. तुम्हारी भांति का प्रयोग का किसके कौन से गुणों की चर्चा की गई है? [2]
3. अधर्म का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए एकांकी के आधार पर बताइए कि दुर्योधन ने किस प्रकार के अधर्म किए? [3]
4. प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य लिखिए। [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान को जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी की विदा करना चाहती हो तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजें।

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. वक्ता और श्रोता कौन है? [2]
2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]
3. जीवनलाल के अनुसार किस वजह से उनके नाम पर धब्बा लगा हैं? [3]
4. 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

**नया रास्ता**

**(सुषमा अग्रवाल)**

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक घंटे का समय कहाँ व्यतीत करे, उसकी कुछ समझ में ही नहीं आ रहा था। तभी उसने एक पत्रिका खरीदी और पास में पड़ी बेंच पर बैठकर पढ़ने लगी। हर दस मिनट के बाद उसकी नज़र घड़ी पर चली जाती। एक-एक पल काटना कठिन हो रहा था।

1. वक्ता परेशान क्यों है? [2]
2. उसे यह समय बहुत लंबा क्यों लग रहा है? [2]
3. इस इंतजार का वास्तविक उद्देश्य क्या है? [3]
4. यह कथन किस परिप्रेक्ष्य में कहा गया है? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर

नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]
2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]
3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]
4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]
2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]
3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]
4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

# Solution

***Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.***
*You will not be allowed to write during the first 15 minutes.*
*This time is to be spent in reading the question paper.*
***The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers***

*This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
*The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].*

**SECTION – A (40 Marks)**
**Attempt all questions**

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. नैतिक शिक्षा मनुष्य के जीवन में बहुत आवश्यक है इस आधार पर 'जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें:
   सब पर दया करना, कभी झूठ नहीं बोलना, बड़ों का आदर करना, सच बोलना, सबको अपने समान समझते हुए उनसे प्रेम करना, सबकी मदद करना, किसी की बुराई न करना आदि कार्य नैतिक शिक्षा या नैतिक मूल्य कहलाते हैं।

व्यक्ति के जीवन में नैतिक मूल्यों का बड़ा महत्त्व होता है। नैतिक शिक्षा मनुष्य के जीवन में बहुत आवश्यक है। इसका आंरभ मनुष्य के बाल्यकाल से ही हो जाता है।
अपने हितों की रक्षा के साथ दूसरों के हितों, अधिकारों व दृष्टिकोण का भी ख्याल रखना चाहिए। दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश फैलाना चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। नैतिक मूल्यों के अभाव के कारण व्यक्ति के चरित्र में गिरावट आती जा रही है, आज अपराधों का ग्राफ हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। चोरी, डकैती, बलात्कार, हत्याएँ इसलिए हो रही हैं कि व्यक्ति स्वयं के जीवन में उच्च आदर्शों, नैतिक मूल्यों को जीवन में स्थान नहीं दे पा रहा है।
बच्चों में नैतिक मूल्यों का निर्माण करने की जिम्मेदारी माता-पिता, परिवार, स्कूल एवं समाज की है। आज के बच्चे ही कल के भविष्य हैं, अतः शिक्षा के साथ साथ नैतिक मूल्यों को जीवन में स्थान दें। नैतिक मूल्यों को शिक्षा में इस तरह शामिल करना होगा जिससे विभिन्न पाठ्यक्रमों में, कार्यशालाओं व गतिविधियों में, इन नैतिक मूल्यों का संदेश सहज, सरल व रोचक तौर-तरीकों से विद्यार्थियों तक पहुँचे। इसके लिए अच्छे साहित्य, फिल्मों, ऑडियो-वीडियो सामग्री आदि का सहारा लिया जा सकता है। यदि जीवन में शिष्टाचार, सदाचार, अनुशासन, मर्यादा है तो परिवार और देश में शांति रहेगी।

2. देश में बेरोजगारी का बढ़ना एक बहुत बड़ी समस्या है इस आधार पर 'बढ़ती बेरोजगारी' पर अपने विचार प्रकट करें:
बेरोजगारी एक व्यक्ति के जीवन की ऐसी स्थिति है जब व्यक्ति अपनी जीविकापार्जन के लिए काम करने की इच्छा और योग्यता रखते हुए भी काम प्राप्त नहीं कर पाता। देश में बेरोजगारी का बढ़ना एक बहुत बड़ी समस्या है। यह समस्या नवयुवकों के लिए निराशा का विषय बनी हुई है। हमारी अधिकांश जनसंख्या बेरोजगारी के कारण भूखे पेट सोने और शिक्षा विहिन रहने के लिए विवश है। उसके पास किसी प्रकार की कोई सुविधा

उपलब्ध नहीं है। भारत एक विशाल जनसंख्या वाला राष्ट्र है। जनसंख्या जितनी तेजी से विकास कर रही है, व्यक्तियों का आर्थिक स्तर और रोजगार के अवसर उतनी ही तेज गति से गिरते जा रहे है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए यह संभव नहीं है कि वह इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार दिलवा सके। भारत में बढ़ती बेरोजगारी को बड़े पैमाने पर व्याप्त अशिक्षा और भ्रष्टाचार समान रूप से बल प्रदान कर रहे हैं। औद्योगीकरण ने भी बेरोज़गारी के स्तर को हमारे देश में बढ़ाया है। बेरोज़गारी के कारण देश में आपराधिक वारदातों से संबंधित आंकड़ा भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। सरकार द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। सरकार को सर्वप्रथम जनसँख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए कारगर उपायों को सख्ती से अमल में लाना होगा। कुटीर उद्योग धंधे को बढ़ावा देने से भी बेरोजगारी की समस्या से कुछ हद तक निपटा जा सकता है। सरकार को चाहिए कि वे छोटे और लघु उद्योगों को लगातार प्रोत्साहन देते रहे। शिक्षा में भी परिवर्तन बेरोजगारी की समस्या से निपटने में एक अहम् हथियार बन सकता है। शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन कर उसे रोजगारोन्मुख बनाया जाना चाहिए। इसके लिए व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा का समन्वय किया जाना चाहिए, जिससे शिक्षा पूर्ण करने के बाद सभी को अपनी योग्यतानुसार जीविकोपार्जन का कार्य मिल सके। सरकार केवल योजनायें न बनाएँ बल्कि उनके क्रियान्वयन की ओर सख्ती से ध्यान दें तो बेरोजगारी की समस्या से निजात पाया जा सकता है।

3. 'आजादी' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें:

आज़ादी को परिभाषित करना बड़ा ही कठिन कार्य है। हर एक व्यक्ति अपनी बुद्धिनुसार इसे परिभाषित कर सकता है। मेरे अनुसार आज़ादी का अर्थ है आज़ादी और अनुशासन में सामंजस्य स्थापित करना। हम भले ही आजाद क्यों न हो, परंतु यदि हम अनुशासित नहीं है तो ज्यादा समय तक आजाद नहीं रह सकते है। साथ ही आज़ादी अपने अनुभवों को साझा करना भी है। अपने अनुभव को साझा कर देश में जो भ्रष्टाचार अनाचार,

अत्याचार फैला हुआ है, उसको अहिंसक और सामाजिक विचारधारा पर चलते हुए मिटाया जाना मेरी दृष्टि में सही आज़ादी है। आने पीढ़ी को आज़ादी का सही अर्थ समझाया जाय। सामाजिक व सांस्कृतिक परंपराओं का सही अर्थ समझाए जाय। उन्हें प्यार और रिश्तों की अहमियत सिखाए। हमें आजाद हुए तो कई साल हो गए हैं पर हम अभी तक गुलामी की मानसिकता में ही जी रहे है। आज भी हम भाषा,जाति धर्म, रुढ़िवादी विचारधाराओं से ऊपर नहीं उठ पाएँ हैं। आज भी हम दूसरों की ओर ही ताकते हैं। हम सोचते है कि हमारा पड़ोसी जब गलत काम करता है तो हम क्यों न करे? जब हमारा अधिकारी भ्रष्ट है तो हम क्यों न हो? क्यों सरकार कड़े कानून नहीं बनाती? क्यों सरकारी कर्मचारी सही काम नहीं करते? हम कब तक केवल प्रश्न करते रहेंगे। हम क्यों न इन समस्याओं का उत्तर बनें। जब हमारे मन से ये गुलामी की भावनाएँ जाएँगी। जब तक हम अपने मन से अपने आजाद नहीं समझेंगे। जब तक हम ये नई शुरुआत नहीं करते। जब तक हर एक व्यक्ति ईमानदारी, निष्ठा, अनुशासन, लगन से काम नहीं करता तब-तक आज़ादी व्यर्थ है। जिस दिन हम ये बातें समझ जाएँगे तब हम सही अर्थों में आजाद समझे जाएँगे। अत: आज़ादी में संतुलन बहुत अनिवार्य अंग है। हर एक व्यक्ति आज़ादी के साथ अनुशासन का भी महत्त्व समझे तभी देश सही मायनों में आजाद होगा।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो:'मुँह में राम बगल में छुरी'

एक बार एक कौए और हंस में गहरी मित्रता थी। दोनों हमेशा साथ-साथ ही रहते थे। एक बार दोनों रोज की तरह आकाश की सैर का आनंद ले रहे थे कि कौए की नजर सड़क पर दधि पात्र लेकर जा रहे एक ग्वाले पर पड़ती है। दधि को देखकर कौए के मुँह में पानी भर आता है। वह हंस को दधि खाने के लिए उकसाता है, परंतु हंस को यह सही नहीं लगता और वह कौए की बात मानने से इंकार कर देता है। कौआ जबरदस्ती हंस को अपने साथ ले जाता है। कौवा दधि पात्र के ऊपर बैठकर दधि का आनंद लेने लगता है।

ग्वाले को थोड़ी देर बाद अहसास होता है कि उसके दधि पात्र के ऊपर कोई बैठा है इसलिए जब वह देखने का प्रयास करता है तो उसकी आहट पाकर कौआ तो उड़ जाता है है लेकिन हंस फँस जाता है और ग्वाला उसे पकड़ लेता है। ग्वाला हंस की खूब पिटाई करता है। राह चलते दूसरा ग्वाला हंस की इस हालत को देखकर कहता है कि स्वार्थी और कपटी मित्र से दूर रहना चाहिए क्योंकि ये तो मुँह में राम और बगल में छुरी जैसे होते हैं।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र प्रदर्शनी से संबंधित चित्र है। यहाँ पर हमें छात्राएँ दिखाई दे रही हैं जो बड़े ही अनुशासन में कतारबद्ध होकर प्रदर्शनी देख रही है। प्रदर्शनी में हमें कई कलाकृतियाँ दिखाई दे रही हैं इन सब को देखकर ऐसा लगता है मानो यह प्रदर्शनी ग्रामीण परिवेश से जुड़ी है क्योंकि दीवारों से लग कर चाक और छतों पर लटके लालटेन और टोकरियाँ यही सब दर्शा रही हैं।

आज जिस प्रकार से भारतीय समाज अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है उसमें इस प्रकार की प्रदर्शनियाँ छोटी सी उस लौ के समान है जो बड़े-से-बड़े आंधी तूफान को रोकने का सामर्थ्य रखती है। आज हम शनै-शनै अपनी

विरासत को भूलकर पश्चिमी संस्कृति को आँख मूँदकर अपना रहे है। हम यह भूलते जा रहे है। जड़ों से अलग होकर कोई पौधा पनप नहीं सकता। प्रगति आवश्यक है परंतु प्रगति के नाम पर अपने स्वास्थ्य, शरीर और मन से खिलवाड़ कहाँ तक उचित है। भोजन के नाम पर हम जंक फूड के आदी हो चले है। हम अपने देश के किसानों द्वारा पैदा किये गए शुद्ध भोजन को नकारते जा रहे हैं। फैशन के नाम पर विदेशी कपड़ों को भारतीय कारीगरों द्वारा बुने गए कपड़ों से कम अहमियत दे रहे हैं। हमारे देश में आयुर्वेद की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी होने के बावजूद हम विदेशी रासायनिक सौंदर्य उत्पादक, विदेशी दवाओं को अपनाते हैं।

ये तस्वीर बदल सकती है यदि हम अपने बच्चों को पुन: अपनी विरासत से परिचित करवाएँ। आज कई विद्यालय स्कूली शिक्षा के अलावा बच्चों को खेती, बागवानी, हस्तकला, कुटीर उद्योग आदि जैसी कई बुनियादी ज्ञान से परिचित करवा रहे हैं। कई विद्यालय बच्चों को अपने क्लासरूम से बाहर ले जाकर शिक्षित कर रहे हैं उन्हें सही-और गलत की समझ करवा रहे हैं। विद्यालय इन्हीं बच्चों के हाथों से बनी कलाकृतियों का प्रदर्शन कर समाज में जागृति लाने का प्रयास भी कर रहे है। भविष्य के साथ तालमेल बनाते हुए पुराने ज्ञान को नित परिष्कृत करना सही मायनों में सच्ची शिक्षा है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) अपने बस स्टॉप तक विद्यालय की बस सेवा बढ़ाने के लिए प्रधानाचार्यजी को पत्र लिखें।

सेवा में,
प्रधानाचार्य
सरस्वती विद्या मंदिर
मुंबई
दिनाँक : 15 जुलाई, 20XX

विषय: अपने बस स्टॉप तक विद्यालय की बस सेवा बढ़ाने के लिए
प्रार्थना पत्र।

महोदय

मैं आपके विद्यालय की कक्षा 'आठवीं अ' का छात्र हूँ। मैंने इसी साल आपके विद्यालय में प्रवेश लिया है। मैं सुमननगर में रहता हूँ। इस क्षेत्र से करीब 15 छात्र-छात्राएँ विद्यालय की बस में आते हैं। जहाँ तक हमारे विद्यालय की बस आती है, वहाँ से हम सब विद्यार्थियों का घर करीब एक किलोमीटर की दूरी पर हैं, इसलिए प्रतिदिन हमें बस स्टॉप तक पैदल चलना पड़ता है। अतः आपसे अनुरोध है कि इस रुट की बस को सुमननगर तक बढ़ाने की कृपा करें, जिससे हम सबको आने-जाने की सुविधा हो।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

कुशल मेहरा

कक्षा - आठवीं 'अ'

अनुक्रमांक - 26

(ii) अपने मित्र को बड़े भाई की शादी में आमंत्रित करने के लिए पत्र लिखें।

रामभवन

रामनगर

जलगाँव

दिनाँक - 26 मई 200

प्रिय समीर

स्नेह

तुम्हें यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मेरे बड़े भाई अनुराग का शुभ विवाह दिनाँक 26 जून 2012 को होना निश्चित हुआ है।

बारात सायंकाल: छह बजे विवाह स्थल वसंत नगरी के लिए प्रस्थान करेगी। मेरे माता-पिता तथा परिवार के अन्य सदस्यों की हार्दिक इच्छा है कि तुम भी सपरिवार पधारो। मुझे विश्वास है कि तुम निराश नहीं करोगे। पत्र के साथ विवाह का कार्यक्रम तथा निमंत्रण पत्र भी भेज रहा हूँ।

प्रतीक्षा में

तुम्हारा मित्र

साकेत

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

लाला को काटो तो बदन में खून नहीं। ऐसी चलती हुई गली में ऊँचे तिमंजले से भरे हुए लोटे का गिरना हँसी-खेल नहीं। यह लोटा न जाने किस अनाधिकारी के झोंपड़े पर काशीवास का संदेश लेकर पहुँचेगा। कुछ हुआ भी ऐसा ही। गली में जोर का हल्ला उठा। लाला झाऊलाल जब तब दौड़कर नीचे उतरे तब तक एक भारी भीड़ उनके आँगन में घुस आई। लाला झाऊलाल ने देखा कि इस भीड़ में प्रधान पात्र एक अंग्रेज है जो नखशिख से भीगा हुआ है और जो अपने एक पैर को हाथ से सहलाता हुआ दूसरे पैर पर नाच रहा है। उसी के पास अपराधी लोटे को भी देखकर लाला झाऊलाल जी ने फ़ौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया। गिरने के पूर्व लोटा एक दुकान के सायबान से टकराया। वहाँ टकराकर उस दुकान पर खड़े उस अंग्रेज को उसने सांगोपांग स्नान कराया और फिर उसी के बूट पर आ गिरा। उस अंग्रेज को जब मालूम हुआ कि लाला झाऊलाल ही उस लोटे के मालिक हैं तब उसने केवल एक काम किया। अपने मुँह को खोलकर खुला छोड़ दिया। लाला झाऊलाल को आज ही यह मालूम हुआ कि अंग्रेजी भाषा में गालियों का ऐसा प्रकांड कोष है। इसी

समय पंडित बिलवासी मिश्र भीड़ को चीरते हुए आँगन में आते दिखाई पड़े। उन्होंने आते ही पहला काम यह किया कि उस अंग्रेज को छोड़कर और जितने आदमी आँगन में घुस आए थे, सबको बाहर निकाल दिया। फिर आगँन में कुर्सी रखकर उन्होंने साहब से कहा - “आपके पैर में शायद कुछ चोट आ गई है। अब आप आराम से कुर्सी पर बैठ जाइए। “साहब बिलवासी जी को धन्यवाद देते हुए बैठ गए और लाला झाऊलाल की ओर इशारा करके बोले - “आप इस शख्स को जानते हैं?” बिलकुल नहीं। और मैं ऐसे आदमी को जानना भी नहीं चाहता जो निरीह राह चलतों पर लोटे के वार करे।

1. लाला को काटो तो बदन में खून नहीं से क्या तात्पर्य है?
   उत्तर : लाला को काटो तो बदन में खून नहीं से तात्पर्य लाला के हाथों तिमंजिले से लोटा गिरने से है। लाला के हाथों लोटा गिर जाता है वो भी तिमंजिले से और यदि वह लोटा किसी के सिर पर गिरे तो उसकी मृत्यु भी हो सकती थी इसलिए लोटा गिरने पर लाला कि स्थिति काटो तो बदन में खून न हो जैसी थी।

2. पानी का लोटा किस के ऊपर गिरा था? और उसे कहाँ चोट आई थी?
   उत्तर : पानी का लोटा एक अंग्रेज के पैर के बूट पर आ गिरा।

3. जब अंग्रेज को पता चला कि लोटे के मालिक लाला झाऊलाल हैं, तो अंग्रेज ने क्या किया?
   उत्तर : अंग्रेज को जब मालूम हुआ कि लाला झाऊलाल ही उस लोटे के मालिक हैं तब उसने केवल एक काम किया। अपने मुँह को खोलकर खुला छोड़ दिया अर्थात् लाला झाऊलाल को भला-बुरा कहने लगा।

4. लाला झाऊलाल को आज ही क्या मालूम हुआ?
   उत्तर : लाला झाऊलाल को आज ही यह मालूम हुआ कि अंग्रेजी भाषा में गालियों का ऐसा प्रकांड कोष है।

5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'झाऊलाल का लोटा' है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: [1]
   - श्री - श्रीमान
   - श्रद्धा - श्रद्धालु

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: [1]
   - आँख - नेत्र, नयन, लोचन, चक्षु
   - प्रतीक - चिह्न, संकेत, निशान

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए:[1]
   - अनाधिकारी - अधिकारी
   - अपराधी - निरपराधी
   - विशेष - सामान्य
   - भूत - भविष्य

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - तेज - तेजी
   - चालाक - चालाकी

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - काटो तो खून नहीं - शराब के नशे में धूत अपने बेटे को देखकर माँ को काटो तो खून था।
   - तिल रखने की जगह न होना - त्योहारों के दिनों में बाजारों में तिल रखने की भी जगह नहीं होती है।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

(a) विद्यार्थियों ने अध्यापकों को उपहार दिए। (एकवचन में बदलिए) [1]

उत्तर : विद्यार्थी ने अध्यापक को उपहार दिया।

(b) चादर मैला हो गया है। (वाक्य को स्त्रीलिंग में बदलिए) [1]

उत्तर : चादर मैली हो गई है।

(c) नीरव गमले में बीज बो रहा है। (वर्तमान काल में बदलिए) [1]

उत्तर : नीरव गमले में बीज बोता है।

**SECTION - B (40 Marks)**

*Attempt four questions from this section.*

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

**साहित्य सागर**

**गद्य**

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"यह इंसाफ नहीं अँधेर है। सिर्फ़ एक अठन्नी की ही तो बात थी!"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. रसीला का मुकदमा किसके सामने पेश हुआ? [2]

उत्तर : रसीला का मुकदमा इंजीनियर जगत सिंह के पड़ोसी शेख सलीमुद्दीन ज़िला मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुआ।

2. रसीला पर किस आरोप पर किसने मुकदमा दायर किया था? [2]

उत्तर : रसीला वर्षों से इंजीनियर जगत सिंह का नौकर था। उसने कभी कोई बेईमानी नहीं की थी। परंतु इस बार भूलवश अपना अठन्नी का कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने मालिक के लिए पाँच रूपए

की जगह साढ़े चार रुपए की मिठाई खरीदी और बची अठन्नी रमजान को देकर अपना कर्ज चुका दिया और इसी आरोप में रसीला के ऊपर इंजीनियर जगत सिंह ने मुकदमा दायर कर दिया था।

3. रसीला को अपने किस अपराध के लिए कितनी सजा हुई? [3]

उत्तर : रसीला ने अपने मालिक के लिए पाँच रुपए के बदले साढ़े चार रूपए की मिठाई खरीदी और बची अठन्नी से अपना कर्ज चुका दिया। यही मामूली अपराध रसीला से हो गया था। इसलिए रसीला को केवल अठन्नी की चोरी करने के अपराध में छह महीने के कारावास की सजा हुई।

4. उपर्युक्त उक्ति का क्या कारण था स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : रमजान ज़िला मजिस्ट्रेट शेख सलीमुद्दीन का चौकीदार था और वह रसीला का बहुत ही अच्छा मित्र था। जब ज़िला मजिस्ट्रेट अठन्नी के मामूली अपराध के लिए उसे छह महीने की सजा सुनाते हैं तो रमजान का क्रोध उबल पड़ता है क्योंकि वह जानता था कि फैसला करने वाले शेख साहब और आरोप लगाने वाले जगत बाबू दोनों स्वयं बहुत बड़े रिश्वतखोर अपराधी हैं लेकिन उनका अपराध दबा होने के कारण वे सभ्य कहलाते हैं और एक गरीब को मामूली अपराध के लिए इतनी बड़ी सजा दी जाती है इसी करण रामजान के मुँह से उपर्युक्त उक्ति निकलती है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अब क्या किया जाए? इस पर एक मनचले ने कहा - “अगर पेड़ नहीं काटा जा सकता तो इस आदमी को ही काटकर निकाल लिया जाए।”

पाठ - जामुन का पेड़
लेखक - कृष्ण चंदर

1. प्रस्तुत अवतरण का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगा पेड़ आँधी के कारण रात में गिर पड़ा और उसके नीचे एक आदमी दब गया। और उस पेड़ को हार्टीकल्चर विभाग ने काटने से मना कर दिया तब उपर्युक्त संवाद वहाँ पर खड़े एक मनचले और असंवेदनशील आदमी द्वारा कहा गया है।

2. हार्टीकल्चर विभाग ने जामुन के पेड़ काटने से मना क्यों किया? [2]

उत्तर : हार्टीकल्चर विभाग के सेक्रेटेरी का कहना था कि उनका विभाग आज जहाँ पेड़ लगाओ की स्कीम ऊँचें स्तर पर चला रही है, वहाँ पर जामुन के इस फलदार पेड़ को काटने की अनुमति उसके विभाग द्वारा कभी भी नहीं दी जा सकती।

3. जामुन के पेड़ का मामला हार्टीकल्चर विभाग तक कैसे पहुँचा? [3]

उत्तर : सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगा पेड़ आँधी के कारण रात में गिर पड़ा और उसके नीचे एक आदमी दब गया। वह पेड़ कृषि विभाग के अंतर्गत था परंतु कृषि विभाग ने उसके फलदार पेड़ होने के कारण जामुन के पेड़ का मामला हार्टीकल्चर विभाग को भेज दिया।

4. उपर्युक्त कथन से हमें लोगों की किस मानसिकता का पता चलता है? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन से हमें लोगों की संवेदनशून्य होती मानसिकता का पता चलता है। जामुन के पेड़ के पास खड़ी भीड़ को उसके नीचे दबे व्यक्ति से कोई सहानुभूति नहीं होती उल्टे वे उस व्यक्ति का

मजाक उड़ाते हैं। वे ये भी नहीं सोचते कि इस तरह के मजाक से व्यक्ति को कितनी तकलीफ हो रही होगी कि जब आप किसी जिंदा व्यक्ति को काटने की बात कर रहे हो।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

यह देख सेठ का दिल भर आया - "बेचारे को कई दिन से खाना नहीं मिला दीखता, तभी तो यह हालत हो गई है।"

पाठ-महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक-यशपाल

1. सेठ जी ने अपना यज्ञ बेचने का निर्णय क्यों लिया? [2]

उत्तर : सेठ जी को जब पैसों को बहुत तंगी होने लगी और सेठानी ने उन्हें यज्ञ बेचने का सुझाव दिया। सेठानी की यज्ञ बेचने की बात पर पहले सेठ बड़े दुखी हुए परंतु बाद में तंगी का विचार त्यागकर सेठ अपना एक यज्ञ बेचने के लिए तैयार हो गए।

2. यज्ञ बेचने के लिए सेठ जी कहाँ गए? [2]

उत्तर : कुंदनपुर नाम का एक नगर था, जिसमें एक बहुत सेठ रहते थे। लोग उन्हें धन्ना सेठ कहते थे। धन की उनके पास कोई कमी न थी। विपद्ग्रस्त सेठ ने उन्हीं के हाथ एक यज्ञ बेचने का का विचार किया। इस तरह सेठ जी ने कुंदनपुर के धन्ना सेठ के पास अपना यज्ञ बेचने गए।

3. सेठ जी ने कहाँ विश्राम और भोजन करने की सोची? [3]

उत्तर : सेठ जी बड़े तड़के उठे और कुंदनपुर की ओर चल दिए। गर्मी के दिन थे सेठ जी सोचा कि सूरज निकलने से पूर्व जितना ज्यादा रास्ता पार कर लेगें उतना ही अच्छा होगा परंतु आधा रास्ता पार करते ही थकान ने उन्हें आ घेरा। सामने वृक्षों का कुंज और कुआँ देखा तो सेठ जी ने थोड़ा देर रुककर विश्राम और भोजन करने का निश्चय किया।

4. सेठ जी ने अपना सारा भोजन कुत्ते को क्यों खिला दिया? [3]

उत्तर : सामने वृक्षों का कुंज और कुआँ देखा तो सेठ जी ने थोड़ा देर रुककर विश्राम और भोजन करने का निश्चय किया। पोटली से लोटा-डोर निकालकर पानी खींचा और हाथ-पाँव धोए। उसके बाद एक लोटा पानी ले पेड़ के नीचे आ बैठे और खाने के लिए रोटी निकालकर तोड़ने ही वाले थे कि क्या देखते हैं एक कुत्ता हाथ भर की दूरी पर पड़ा छटपटा रहा था। भूख के कारण वह इतना दुर्बल हो गया कि अपनी गर्दन भी नहीं उठा पा रहा था। यह देख सेठ का दिल भर आया और उन्होंने अपना सारा भोजन धीरे-धीरे कुत्ते को खिला दिया।

## साहित्य सागर

## पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियौ बताय॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।

प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥

कविता - साखी

कवि - कबीर

1.कबीर के गुरु के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : कबीरदास ने गुरु का स्थान ईश्वर से श्रेष्ठ माना है। कबीर कहते है जब गुरु और गोविंद (भगवान) दोनों एक साथ खडे हो तो गुरु के श्रीचरणों मे शीश झुकाना उत्तम है, जिनके कृपा रुपी प्रसाद से गोविंद का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

2. कबीर के अनुसार कौन परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है? [2]

उत्तर : कबीर के अनुसार गुरु परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है।

3. 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।' - का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : इस पंक्ति द्वारा कबीर का कहते है कि जब तक यह मानता था कि 'मैं हूँ', तब तक मेरे सामने हरि नहीं थे। और अब हरि आ प्रगटे, तो मैं नहीं रहा। अँधेरा और उजाला एक साथ, एक ही समय, कैसे रह सकते हैं? जब तक मनुष्य में अज्ञान रुपी अंधकार छाया है वह ईश्वर को नहीं पा सकता अर्थात् अहंकार और ईश्वर का साथ-साथ रहना नामुमकिन है। यह भावना दूर होते ही वह ईश्वर को पा लेता है।

4. यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? [3]

उत्तर : यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग क्रमशः अहंकार और परमात्मा के लिए किया है।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुना त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली पग-पग छहर रही है।
वह पुण्य भूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि किस भूमि की बात कर रहा है? [2]

उत्तर : कवि अपनी जन्मभूमि भारतमाता की बात कर रहा है।

2. कवि ने हिमालय के बारे में क्या कहा है? [2]

उत्तर : कवि कहते है कि हिमालय इतना ऊँचा है मानो आसमान को चूम रहा है। वह हमारे भारत की रक्षा करता है।

3. स्वर्ण-भूमि किसे और क्यों कहा गया है? [3]

उत्तर : कवि में भारत की भूमि को स्वर्ण-भूमि कहा है। भारत किसानों का देश माना जाता है और जहाँ की धरती अनाज रूपी सोना उगलती है। भारत देश आरंभ से ही संपन्न रहा है इसलिए कवि भारत की भूमि को स्वर्ण-भूमि कहता है।

4. शब्दार्थ लिखिए : मातृभूमि, सिंधु, नित, पुण्य भूमि, आकाश, छटा [3]

उत्तर : मातृभूमि - जन्म भूमि

सिंधु - समुद्र

नित - प्रतिदिन

पुण्य भूमि - पवित्र भूमि

आकाश - गगन

छटा - शोभा

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय॥
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन॥
कह गिरिधर कविराय, सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के॥

साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार॥
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले॥
कह गिरिधर कविराय जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ

कवि - गिरिधर कविराय

1. 'गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय ' - पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में गिरिधर कविराय ने मनुष्य के आंतरिक गुणों की चर्चा की है। गुणी व्यक्ति को हजारों लोग स्वीकार करने को तैयार रहते हैं लेकिन बिना गुणों के समाज में उसकी कोई महत्ता नहीं। इसलिए व्यक्ति को अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

2. कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि क्या स्पष्ट करते हैं? [2]

उत्तर : कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि कहते है कि जिस प्रकार कौवा और कोयल रूप-रंग में समान होते हैं किन्तु दोनों की वाणी में ज़मीन-आसमान का फ़र्क है। कोयल की वाणी मधुर होने के कारण वह सबको प्रिय है। वहीं दूसरी ओर कौवा अपनी कर्कश वाणी के कारण सभी को अप्रिय है। अत: कवि कहते हैं कि बिना गुणों के समाज में व्यक्ति का कोई नहीं। इसलिए हमें अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3. संसार में किस प्रकार का व्यवहार प्रचलित है? [3]

उत्तर : कवि कहते हैं कि संसार में बिना स्वार्थ के कोई किसी का सगा-संबंधी नहीं होता। सब अपने मतलब के लिए ही व्यवहार रखते हैं। अत:इस संसार में मतलब का व्यवहार प्रचलित है।

4. "करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई" - पंक्ति द्वारा कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है? [3]

उत्तर : बिना स्वार्थ के कोई किसी से मित्रता नहीं करता है। जब तक मित्र के पास धन-दौलत है तब तक सारे मित्र उसके आस-पास घूमते हैं। मित्र के पास जैसे ही धन समाप्त हो जाता है सब उससे मुँह मोड़ लेते हैं। संकट के समय भी उसका साथ नहीं देते हैं। अत: कवि कहते हैं कि इस संसार का यही नियम है कि

बिना स्वार्थ के कोई किसी का सगा-संबंधी नहीं होता। संसार से नि:स्वार्थ प्रेम की भावना खत्म होती जा रही है और लोगों में एक-दूसरे के प्रति अपनत्व और प्रेम का भाव भी धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। कोई विरला ही होता है जिसके मन में बिना किसी स्वार्थ के दूसरों के लिए प्रेम की भावना होती है।

## एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

प्रत्येक राजपूत को अपनी ताकत पर नाज है। इतने बड़े दंभ को मेवाड़ अपने प्राणों में आश्रय न दे, इसी में उसका कल्याण है। रह गई बात एक माला में गूँधने कि, सो वह माला तो बनी है। हाँ, उस माला को तोड़ने का श्रीगणेश हो गया है।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. वक्ता और श्रोता कौन हैं? यहाँ किस संदर्भ में यह बात की गई है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन के वक्ता बूँदी के शासक राव हेमू हैं। वे हाड़ा वंश के राजपूत हैं और अपने मान-सम्मान की रक्षा के लिए आत्म-बलिदान को भी तैयार हैं। श्रोता मेवाड़ के महाराणा लाखा के सेनापति अभय सिंह हैं।

जब अभय सिंह ने राव हेमू को मेवाड़ की अधीनता स्वीकार कर लेने की बात कही तब राव ने इस बात को मेवाड़ के महाराणा का दंभ कहा। राव हेमू का कहना था कि मेवाड़ को यह बात सोचनी ही नहीं चाहिए थी कि बूँदी उसकी अधीनता स्वीकार करेगा।

2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए? [2]

उत्तर : राव हेमू बूँदी के शासक हैं। वे हाड़ा वंश के राजपूत हैं। राव हेमू वीर,स्वाभिमानी और एक निर्भीक शासक हैं। वे मेवाड़ और अन्य राजपुताना के साथ प्रेम, सहयोग और सम्मान का संबंध रखना चाहते हैं।

3. उस माला को तोड़ने का श्रीगणेश हो गया है-आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : मेवाड़ के महाराणा लाखा चाहते थे कि सभी राजपूत शक्तियाँ उनकी अधीनता स्वीकार कर एक माला में गूंधकर एक संगठित शक्ति बन जाय। बूँदी ने सदैव से मेवाड़ के सिसौदिया वंश के शासकों का साथ दिया है परंतु स्वतंत्र रहकर उनके लिए अपनी स्वतंत्रता अति महत्त्वपूर्ण है। और यदि मेवाड़ के महाराणा लाखा चाहते हैं कि बूँदी उनकी अधीनता स्वीकार कर लें तो इस एकता रूपी माला का टूटने का श्रीगणेश बूँदी की असहमति के साथ शुरू हो गया।

4. विजय के लिए सहयोग और संघटन दोनों की आवश्यकता है-दिए गए कथन के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजिए। [3]

उत्तर : दिए गए अंश के संदर्भ में यह कथन सर्वथा उचित है। विजय के लिए सहयोग और संघटन दोनों ही जरुरी होते हैं। एकांकी में राजपूत शक्ति की एकसूत्रता के लिए महाराणा चाहते थे कि बूँदी उनकी अधीनता स्वीकार कर ले। परंतु दूसरी ओर यह भी सत्य है कि सहयोग द्वारा भी शक्ति को बढ़ाया जा सकता है। विजय के लिए किसी को किसी के अधीन होने की आवश्यकता नहीं है। बूँदी स्वतंत्र रहकर भी मेवाड़ के साथ सहयोग से बाहरी शक्तियों को पराजित कर सकता था।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पहले वीरता का दंभ और अंत में करुणा की भीख! कायरों का यही नियम है। परंतु दुर्योधन! कान खोलकर सुन लो। हम तुम्हें दया करके छोड़ेगे भी नहीं और तुम्हारी भांति अधर्म से हत्या कर बधिक भी न कहलाएँगे। हम तुम्हें कवच और अस्त्र देंगे।

एकांकी - महाभारत की साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे और किस प्रसंग में कहा है? [2]

   उत्तर : प्रस्तुत कथन युधिष्ठिर ने दुर्योधन से उस समय कहा जब दुर्योधन सरोवर में छिपा बैठा था और युद्ध करने से मना कर रहा था।

2. तुम्हारी भांति का प्रयोग का किसके कौन से गुणों की चर्चा की गई है?[2]

   उत्तर : तुम्हारी भांति का प्रयोग दुर्योधन के लिए किया गया है। यहाँ पर दुर्योधन के अति महत्त्वाकांक्षी स्वभाव के कारण वह घमंडी, किसी भी तरह जीत हासिल करने वाला, सारे गलत हथकंडे अपनाने वाला और अधर्मी गुणों की चर्चा की गई है।

3. अधर्म का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए एकांकी के आधार पर बताइए कि दुर्योधन ने किस प्रकार के अधर्म किए? [3]

   उत्तर : दुर्योधन ने सत्ता पाने के लिए कई गलत और अमानवीय काम किए। उसने धोखे से अपने भाईयों को न केवल द्युत क्रीडा में हराया बल्कि अपने पूरे राज्य और उनकी पत्नी को भी हारने पर मजबूर किया। भरी सभा में अपनी ही भाभी द्रौपदी का अपमान

किया। भाईयों को तेरह वर्ष का कठोर वनवास और साथ ही उन्हें जिन्दा जलाने का भी प्रयास किया। अपने ही भाई के बेटे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर का मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं महाभारत का युद्ध भी उसकी इसी महत्त्वाकांक्षा का परिणाम था जिसमें दोनों ही पक्षों को अपने सगे जनों को खोना पड़ा।

4. प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी का उद्देश्य यह है कि आप चाहे कितने भी कूटनीतिज्ञ, बलवान और बुद्धिमान क्यों न हो परंतु यदि आप का रास्ता धर्म का नहीं है तो आपका अंत होना निश्चित है। साथ यह एकांकी मनुष्य को त्याग और सहनशीलता का पाठ भी पढ़ाती है। यही वे दो मुख्य कारण थे जिसके अभाव में महाभारत का युद्ध लड़ा गया। इसके अतिरिक्त इस एकांकी का एक और उद्देश्य यह भी दिखाना था कि इस युद्ध के लिए कौरव और पांडव दोनों ही पक्ष बराबर जिम्मेदार थे।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान को जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी की विदा करना चाहती हो तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजें।

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. वक्ता और श्रोता कौन है? [2]

उत्तर : वक्ता जीवन लाल, कमला के ससुर है और श्रोता प्रमोद है जो अपनी बहन कमला की विदा के लिए उसके ससुराल आया है।

2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]

उत्तर : यहाँ वक्ता जीवन लाल है। जीवन लाल अत्यंत लोभी, लालची और असंवेदनशील व्यक्ति है। वे केवल अपनी बहू की विदा दहेज में कम पैसे मिलने के कारण नहीं करना चाहता है। जीवनलाल घमंडी भी है, उसे अपने रुपयों-पैसों पर बड़ा अभिमान है।

3. जीवनलाल के अनुसार किस वजह से उनके नाम पर धब्बा लगा हैं? [3]

उत्तर : जीवनलाल के अनुसार बेटे की शादी में बहू कमला के परिवार वालों ने उनकी हैसियत के हिसाब से उनकी खातिरदारी नहीं की तथा कम दहेज दिया। इससे उनके मान पर धब्बा लगा है।

4. 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय दहेज से है। जीवन लाल शादी में कम दहेज मिलने के घाव को पाँच हजार रूपी मरहम देकर दूर करने कहते है।

## नया रास्ता

**(सुषमा अग्रवाल)**

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक घंटे का समय कहाँ व्यतीत करे, उसकी कुछ समझ में ही नहीं आ रहा था। तभी उसने एक पत्रिका खरीदी और पास में पड़ी बेंच पर बैठकर पढ़ने लगी। हर दस मिनट के बाद उसकी नज़र घड़ी पर चली जाती। एक-एक पल काटना कठिन हो रहा था।

1. वक्ता परेशान क्यों है? [2]

उत्तर : वक्ता मीनू अमित के एक्सीडेंट हो जाने के कारण परेशान है।

2. उसे यह समय बहुत लंबा क्यों लग रहा है? [2]

उत्तर : मीनू को जब नीलिमा से अमित के एक्सीडेंट की खबर मिलती है तो वह उसे देखने के लिए मेडिकल कॉलेज पहुँच जाती है परंतु वहाँ जाने के बाद उसे पता चलता है कि मरीजों से मिलने का समय सुबह के दस बजे से है और उस समय नौ बजे थे और वह जल्द से जल्द अमित को मिलना चाहती थी इसलिए उसे वह समय लंबा लग रहा था।

3. इस इंतजार का वास्तविक उद्देश्य क्या है? [3]

उत्तर : इस इंतजार का वास्तविक उद्देश्य यह है कि मीनू के मन में अमित के प्रति जो घृणा थी वह अब स्नेह में बदल गई है। इसलिए वह अमित की एक्सीडेंट की खबर सुनकर बैचैन हो जाती है और जल्द से जल्द उससे मिलना चाहती है।

4. यह कथन किस परिप्रेक्ष्य में कहा गया है? [3]

उत्तर : यह कथन अमित के एक्सीडेंट और मीनू के मन परिवर्तन के परिपेक्ष्य में कहा गया है। मीनू अपना रिश्ता अमित द्वारा ठुकराए जाने के कारण उसे पसंद नहीं करती परंतु नीलिमा द्वारा सच जानने के बाद मीनू का मन परिवर्तन हो गया था और अब वह अमित से स्नेह करने लगी थी।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]

   उत्तर : यहाँ पर मीनू की अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण आया है।

2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]

   उत्तर : मीनू को जब उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है तब वह उसे अतीत की बातें याद आने लगती है कि किस प्रकार अतीत में कई बार उसे कई लड़के ना-पसंद कर चुके थे। उन बातों को याद कर मीनू उदास हो जाती है।

3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : मीनू साधारण नैन-नक्श की साँवले रंग-रूप की लड़की थी जिसके कारण उसे कोई भी पसंद नहीं कर रहा था। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि मीनू उच्च शिक्षा प्राप्त गुणों से भरी हुई लड़की थी पर सभी ऊपरी चमक-दमक को ही महत्त्व दे रहे थे।

4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

   उत्तर : मीनू को उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है। तब वह अतीत की यादों में खो जाती है और उदास हो जाती है परंतु फिर अपनी स्थिति को संभाल कर अपनी सहेलियों के साथ पूर्वनियोजित योजनानुसार बाहर चली जाती है।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]

   उत्तर : घर लौटने पर माया राम का इंतजार उनके ही शहर के के एक धनी व्यक्ति कर रहे थे। उनकी बेटी सरिता विवाह योग्य हो गई थी अत: वे मायाराम के पास अपनी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे।

2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]

   उत्तर : अमित ने जब अपनी माँ से यह जानना चाहा कि क्या बड़े घर की बेटी उनके घर के वातावरण में मीनू की तरह घुल-मिल पाएँगी तो माँ ने जवाब दिया कि हम किसी के व्यवहार के बारे में तब तक कुछ नहीं बता सकते जब तक हम उनके साथ नहीं रहते। फिर चाहे लड़की छोटे घर की हो या बड़े घर की।

3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]

   उत्तर : घर वाले अमित के लिए आए धनी सरिता का रिश्ता ठुकराना नहीं चाहते थे परंतु उनके सामने यह समस्या खड़ी हो गई कि मीनू का रिश्ता किस प्रकार ठुकराया जाय। तभी माताजी को एक युक्ति सूझी कि मीनू का रिश्ता यह कहकर ठुकराया जाय कि मीनू की अपेक्षा उन्हें उनकी छोटी बेटी आशा पसंद है। यदि वे शादी करना चाहते ही हैं तो आशा के साथ अमित का विवाह करवा दें परंतु ये तो सब ही को पता है कि बड़ी बेटी के होते

कोई अपनी छोटी बेटी का विवाह पहले नहीं करेगा और अत: बिना ना कहे भी यह रिश्ता न होगा।

4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

उत्तर : अमित के पिता की मन:स्थिति विकल हो गई क्योंकि वे भी स्वयं एक बेटी के पिता थे और यह समझते थे कि बेटी का रिश्ता ठुकराया जाना क्या होता है। इसलिए मीनू के पिता को पत्र रिश्ता ठुकराने का पत्र भेजने के बाद उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।